139 उन्हें मज़बूत रहना सिखाओ

(मत्ती 28:19, 20)

1. अन-क-ही मिल-ती खु-शी ह-में
जब सि-खा-ते लो-गों को;
दे-खा है, याह की म-दद से ही
सच को हैं अप-ना-ते वो।

(कोरस)

सुन ले फ़र्-याद ह-मा-री, याह,
यी-शु के नाम से है दु-आ,
रख-ना सँ-भाल के तू उन-को, मज़-बूत हों वो,
हों जी-वन में स-दा काम-याब।

2. जब हो-ती आज़-मा-इ-शें उन-की,
हम माँ-गें हर दिन दु-आ,
हर क-दम पे की पर-वाह उन-की,
अब विश्-वास उन-का ब-ढ़ा।

(कोरस)

3. र-खें वो भ-रो-सा या-ह पे,
उम्-मी-दें यी-शु पे हों।
ना हा-रें, ना ही पी-छे ह-टें,
जी-तें दौड़ जी-वन की वो।

(कोरस)

(लूका 6:48; प्रेषि. 5:42; फिलि. 4:1 भी देखिए।)

© 2015 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania